

---

# Shri Shailesha Charana Sharana Ashtakam

---

## श्रीशैलेशचरणशरणाष्टकम्

---

### Document Information

Text title : Shailesha Charana Sharana Ashtakam

File name : shaileshacharaNasharaNASHTakam.itx

Category : shiva, aShTaka

Location : doc\_shiva

Description/comments : mallikArjunAShTakam

Latest update : July 7, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 30, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीशैलेशचरणशरणाष्टकम्



गौरीमनोहर ! सुरासुरमौनिवृन्द  
संसेविताङ्घ्रियुग ! चन्द्रकलावतंस !  
कैलासवास ! करुणाकर ! भक्तबन्धो !  
श्रीशैलवास ! चरणं शरणं तवास्मि ॥ १ ॥

भक्तार्तिहार ! भवबन्धविनाशकेश !  
दिव्यापगाकलितकान्तजटाकलाप !  
शेषाहिभूष ! वृषवाहन ! व्योमकेश !  
श्रीशैलवास ! चरणं शरणं तवास्मि ॥ २ ॥

भृङ्गीशसेवित ! गणेशकुमारतात !  
मृत्युञ्जय ! त्रिपुरदानवभेदकारिन् !  
पाणावुपात्तमृगडामरुकत्रिशूल !  
श्रीशैलवास ! चरणं शरणं तवास्मि ॥ ३ ॥

नागेन्द्रचर्मवसनाग्निरवीन्दुनेत्र !  
नारायणीप्रिय ! महेश ! नगेश ! शम्भो !  
मौनिप्रियाश्रितमहाफलदोय्यरूप  
श्रीशैलवास ! चरणं शरणं तवास्मि ॥ ४ ॥

सर्वार्तिभञ्जन ! सदाशिव ! दानवारे !  
पार्थप्रहारकलितोत्तममूर्धभाग !  
यक्षेशसेवितपदाब्ज ! विभूतिदायिन् !  
श्रीशैलवास ! चरणं शरणं तवास्मि ॥ ५ ॥

श्रीभ्रामरीश ! मदनान्तक ! कृत्तिवास !  
सर्पास्थिरुण्डकलितामलहारधारिन् !  
भूतेश ! खण्डपरशो ! भवबन्धनाश !  
श्रीशैलवास ! चरणं शरणं तवास्मि ॥ ६ ॥

सर्वागमस्तुत ! पवित्रचरित्र ! नाथ !  
यज्ञप्रिय ! प्रणतदेवगणोत्तमाङ्ग !  
कल्पद्रुमप्रसवपूजितदिव्यपाद !  
श्रीशैलवास ! चरणं शरणं तवास्मि ॥ ७ ॥

शम्भो ! गिरीश ! हर ! शूलधरान्धकारे !  
श्रीशैलवास ! भ्रमराम्बिकया समेत !  
श्री पार्वतीदयित ! साक्षिगणाधिपेड्य !  
श्रीशैलवास ! चरणं शरणं तवास्मि ॥ ८ ॥

श्रीशैलं, शिखरेश्वरं , गणपतिं, श्रीहाटकेशं पुन  
स्सारङ्गेश्वर, बिन्दुतीर्थममलं, घण्टार्कसिद्धेश्वरं  
गङ्गां श्री भ्रमराम्बिकां गिरिसुतामारामवीरेश्वरं  
शङ्खं चक्रवराहतीर्थकलितं श्रीशैलनाथं भजे ॥ ९ ॥  
इति श्रीशैलेशचरणशरणाष्टकं सम्पूर्णम् ।

---

—  
*Shri Shailesha Charana Sharana Ashtakam*  
pdf was typeset on August 30, 2023  
—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

